विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत **14 सितम्बर 2020**

वर्ग सप्तम **राजेश कुमार पाण्डेय**

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित।

सप्तमः पाठः

लोहपुरूषः वल्लभभाईपटेलः

1928 तमे वर्षे बारदोली सत्याग्रहस्य नेतृत्वे वल्लभभाईपटेलः कृतवान्।

1928 ईस्वी में बारटोली सत्याग्रह का नेतृत्व बल्लभ भाई पटेल ने की।

अस्य नेतृत्व इदं आन्दोलनम् सफलम् अभवत्।

इनके नेतृत्व में आंदोलन सफल हुआ।

तस्मात् जनाः पटेल महोदयं 'सरदार' इति उपाधिना सम्मानित कृतः।

उसके बाद लोगों ने पटेल महोदय को सरदार की उपाधि से सम्मानित किया।

1931 तमे वर्षे कराची - सत्रे सः कांग्रेस समितेः अध्यक्षः नियुक्तः अभवत्।

1931 ईस्वी में कराची के सत्र में उनको कांग्रेश समिति का अध्यक्ष नियुक्त हुए।

देशस्य स्वतन्त्रतायौ सः बहुवारं कारागृहे गतवान्।

देश के स्वतंत्रता के लिए उन्हें कई बार जेल गए।

स्वतन्त्रताप्राप्तेः पश्चात् पटेलमहोदयः भारतस्य प्रथमः उप - प्रधानमंत्री नियुक्तः अभवत्।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पटेल महोदय को भारत का प्रथम प्रधानमंत्री नियुक्त हुए।

सः 550 रियासत इति (गणराज्यान्) भारते सम्मेल्य अद्भुतं कार्यं कृतवान्।

उन्होंने 550 रियासत को भारत में शामिल करके अद्भुत कार्य किया।

पटेलमहोदयस्य दूरदर्शिता - कारणात् भारतस्य गणराज्यानाम् एकीकरणं जातमय।

पटेल महोदय के दूरदर्शिता के कारण से भारत के गणराज एकीकरण हुआ।

1950 तमे वर्षे दिसम्बर मासस्य 15 दिनांके मुबईनगरे अयं महापुरुषः दिवंगतः।

15 दिसंबर 1950 ईस्वी में मुंबई नगर में इनका निधन हो गया।

तमे कृतस्य कार्यस्य विषये जनाः श्रद्धां धारयन्ति गौरवं च अनुभवन्ति।

इनके द्वारा किया गया कार्य के विषय में श्रद्धा और गौरव प्राप्त होता है।